विलासिनी देवी कृष्णपिल्लै

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः भरतनाट्यम

VILASINI DEVI KRISHNAPILLAI

Sangeet Natak Akademi Amrit Award: Bharatanatyam

केरल के तिरुवनंतपुरम में 25 अगस्त 1939 को जन्मी, श्रीमती विलासिनी देवी कृष्णपिल्लै ने टैगोर अकादमी के पझानिस्वामी, जगदामल, भरतम सुब्रमण्यम अय्यर, रुक्मिणी देवी, शारदा हॉफमैन, कमला रानी और एन. एस. जयलक्ष्मी जैसे गुरुओं के संरक्षण में भरतनाट्यम की कलाक्षेत्र बानी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। अपने नृत्य कौशल को निखारने के लिए भरतनाट्यम की विविध संबद्ध कलाओं का प्रशिक्षण भी आपने लिया है। राजकीय महिला महाविद्यालय में विजयराघवन और लक्ष्मी नायर से कर्नाटक संगीत, कलाक्षेत्र में एम. डी. रामनाथन और थुरवुर राजगोपाल शर्मा से कर्नाटक संगीत और तीन वर्षों तक कलामंडलम कल्याणीकुट्टी अम्मा से मोहिनीआट्टम भी आपने सीखा।

श्रीमती विलासिनी ने दूरदर्शन तिरुवनंतपुरम के लिए मिनी बैले की कोरियोग्राफी की है। 1960 से 1962 तक अपने सह–कलाकारों धनंजयन, जनार्दन, बालगोपाल, कृष्णवेनी और सवित्री कृष्णमूर्ति के साथ कलाक्षेत्र के कार्यक्रमों में भी अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपके जीवन और कार्यों पर दूरदर्शन, एशियानेट, सूर्या और वनिता (मनोरमा) द्वारा साक्षात्कार आयोजित किए गए हैं।

आपको केरल संगीत नाटक अकादमी द्वारा नृत्य के लिए पुरस्कार (1995) से सम्मानित किया गया है।

भरतनाट्यम में योगदान के लिए श्रीमती विलासिनी देवी कृष्णपिल्लै को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 25 August 1939 in Thiruvananthapuram in Kerala, Shrimati Vilasini Devi Krishnapillai received training in the Kalakshetra Bani of Bharatanatyam under the tutelage of Pazhaniswamy of Tagore Academy, Jagadamal, Bharatham Subramania Iyer, Rukmini Devi, Sarada Hoffman, Kamala Rani and N.S. Jayalakshmy. She has also trained in other aspects of Bharatanatyam. She trained in Carnatic music under Vijayaraghavan and Lakshmy Nair at Government Women's College. She also received training in Carnatic music at Kalakshetra under the stalwarts M.D. Ramanathan, and Thuravur Rajagopal Sharma. She also learnt Mohiniattam under Kalamandalam Kalyanikutty Amma for three years.

Shrimati Vilasini has choreographed mini ballets for Thiruvananthapuram Doordarshan. She has also performed in Kalakshetra programmes from 1960 to 1962 with co-artists Dhananjayans, Janardhanan, Balagopal, Krishnaveni and Savithry Krishnamoorthy. Interviews have been conducted by Doordarshan, Asianet, Soorya and Vanitha (Manorama) on the life and works of Vilasini Devi.

She has been conferred with the award for dance by the Kerala Sangeetha Nataka Akademi (1995).

Shrimati Vilasini Devi Krishnapillai receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for her contribution to Bharatanatyam.